श्री राजेशकुमार बाबूलालजी जैन	छोटी ग्वालटोली, इन्दौर	1100
श्री मनोज जैन	छोटी ग्वालटोली, इन्दौर	1001
श्री पियुष कुमार जैन	तिलक नगर एक्स., इन्दौर	1000
श्री जयंत कुमार लक्ष्मीचंद जैन	ब्रजेश्वरी एनेक्स, इन्दौर	1000
न्यू देवास रोड़, परदेशीपुरा, क्लर्क कालोनी, एल.आई.जी		
श्री चन्द्रकुमार सुंदरलालजी जैन	एल.आई.जी कालोनी, इन्दौर	51000
श्री बाबूलाल बंसीलालजी जैन	क्लर्क कालोनी, इन्दौर	51000
श्री हरीशचंद्र मोतीलालजी जैन	क्लर्क कालोनी, इन्दौर	25000
श्री कमलनयन धन्यकुमारजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	21101
श्री संदीप शिखरचंदजी जैन	न्यू पलासिया, इन्दौर	21000
श्री सुभाषकुमार मोजीलालजी जैन	क्लर्क कालोनी, इन्दौर	21000
श्री इन्द्रकुमार मोतीलालजी जैन	जनता क्वाटर, इन्दौर्र	11001
श्री अजीतकुमार पन्नालालजी जैन	दुबे का बगीचा, इन्दौर	11000
श्री धरमचंद मुन्नालालजी जैन	न्यू देवास रोड़, इन्दौर	11000
श्री कमलचंद हरकिशनलालजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	11000
श्री देवकुमार चन्द्रभानजी जैन	न्यू देवास रोड़, इन्दौर	11000
श्री अरविंदकुमार कस्तूरचंदजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	11000
श्री रतनलाल रामप्रसादजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	11000
श्री हीरालालजी जैन	न्यू देवास रोड़	11000
श्री सुधीरकुमार शैलेन्द्रकुमार जैन	न्यू देवास रोड़, इन्दौर	5100
श्री अनिल हुकमचंदजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	5100
श्री अनिल धरमचंदजी जैन	न्यू देवास रोड़, इन्दौर	5001
श्री प्रकाशचंद कन्हैयालालजी जैन	एल.आई.जी. कालोनी, इन्दौर	5000
श्री महेन्द्रकुमार श्यामलालजी जैन	न्यू देवास रोड़, इन्दौर	5000
श्री सिंघई बाबूलालजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	5000
श्रीमती विद्याबाई दयाचंद	दुबे का बगीचा, इन्दौर	5000
श्री संतोष राजेशजी जैन	न्यू देवास रोड़	5000
श्री विजयकुमार दयाचंदजी जैन	नंदा नगर, इन्दौर	2550
श्री सुधीरकुमार छगनलालजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	2100
श्री संतोष झुन्नीलालजी जैन	परदेशीपुरा, इन्दौर	2100
श्री प्रदीपजी जैन	परदेशीपुरा	2100
श्री राजेन्द्र कुमार जैन	–	2000
श्री बाबूलाल मथुराप्रसादजी जैन गुप्तदान	परदेशीपुरा, इन्दौर –	1151 26101

मांगलिक प्रसंग पर मंदिर निर्माण हेतु विशेष सहयोग

श्री प्रवीण जिनेन्द्र कुमार जैन	अहमदाबाद	101000

उत्थान

गत अंक में हमने समाज सदस्यों से अपील की थी कि व्यापार / व्यवसाय में आपको कर्मचारियों की आवश्यकता हो या किसी व्यक्ति को नौकरी या व्यवसाय के लिए मार्गदर्शन की जरुरत है तो वह अपना पूर्ण विवरण हमें प्रेषित करे । इस पत्र के माध्यम से हम समाज सदस्यों की हरसंभव मदद करने का प्रयास करेंगे।

इसी तारतम्य में श्री चन्द्रप्रभु दि. जैन अतिशय क्षेत्र, बरनावा, बागपत (उ.प्र.) को निम्न सेवाओं के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है –

- क्षेत्र पर संचालित चिकित्सालय के लिए मान्यता प्राप्त डाक्टर
- मंदिरजी के लिए अनुभवी पुजारी
- सेवा पर संचालित भोजनशाला के लिए रसोईया,आवास सुविधा के साथ उचित वेतन ।

इच्छुक सदस्य सीधे संपर्क करे – **08923194918, 09634900959**

समाज सदस्यों से विनम्र अनुरोध

समाज सदस्यों से अनुरोध है समाज विकास के लिए आपके पास कोई विचार या योजनाएं है तो हमें अवश्य भेंजे ताकि उसका लाभ समस्त समाजजन उठाकर लाभांवित हो सके। आपके विचार हमें विकास की ओर अग्रसर करने में अति सहायक सिद्ध होंगे।

****

आवश्यकता है ऐसे व्यक्ति की जो प्रत्येक नगर में जाकर गोलालारीय परिवारों की जानकारी एकत्रित कर सके। इस कार्य हेतु अखिल भारतीय जैन समिति द्वारा उचित पारिश्रामिक दिया जावेगा। इच्छुक व्यक्ति डॉ. सुधीर जैन महामंत्री से व्यक्तिगत या फोन पर संपर्क कर सकते है। डॉ. सुधीर जैन, 85 डी.के.कॉटेज–ई–8 एक्स., भोपाल मो.: 9425011357

दिगम्बर जैन पंचायत झांसी के चुनाव संपन्न

झांसी। श्री दिगम्बर जैन पंचायत समिति झांसी के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न हुए । गोलालारीय समाज के श्री जिनेन्द्र कुमार जैन 'गार्ड' को अध्यक्ष पद के लिये चुना गया व समिति के विभिन्न पदों पर इं. सतीशचंद जैन वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री आर.के. जैन 'बैंक' कोषाध्यक्ष, श्री विनोद कुमार जैन 'ठेकेदार' मंत्री करगुंवाजी, श्री प्रवीणकुमार जैन 'पत्रकार' व श्री रविन्द्र जैन 'रेलवे' भी निर्वाचित हुए। गोलालारीय दर्शन परिवार चयनित पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर आशा करता है कि समाज विकास में श्रेष्ठतम योगदान देकर गोलालारीय समाज को गौरवांवित अवश्य करेंगे।

मध्यप्रदेश शासन ने जैन तीर्थों के जीर्णोद्धार के लिए 9 करोड़ स्वीकृत किये।

इन्दौर। मध्यप्रदेश शासन के पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश के जैन तीर्थों के जीर्णोद्धार एवं विकास हेतु 9 करोड़ रु. की राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि मंदिरो के दर्शन हेतु पधारे यात्रियों की सुविधाओं के लिए व मंदिर का जीर्णोद्धार कर भव्यता प्रदान करने पर खर्च किये जावेंगे।

म.प्र. शासन के मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराजसिंह चौहान व पर्यटन मंत्री श्री तुकोजीराव पंवार का आभार व्यक्त करते हुए गोलालारीय समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंद एवं सचिव श्री बाहुबली जैन ने धन्यवाद प्रेषित किया है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जैन मंदिरों के विकास के लिये धनराशि स्वीकृत कराने में समाजसेवी श्री प्रदीपकुमारसिंह कासलीवाल का विशेष योगदान रहा।

मंगली कुंडली के मंगल दोष का निवारण

सर्वप्रथम यह जाने कि मंगली दोष का अर्थ क्या है। जब कुंडली में लग्न (प्रथम भाव), चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में से किसी एक स्थान में मंगल हो तो वह कुंडली मंगली कहलाती है।

(1) लग्न में मंगल हो तो स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ता है । व्यक्ति स्वभाव से उग्र एवं जिद्दी होता है।
(2) चतुर्थ में मंगल होने से जीवन में योग उपभोग की सामग्री में एवं संपत्ति समृद्धि में कमी होती है।
(3) सप्तम भाव में मंगल होने से दाम्पत्य सुख (रति सुख) एवं पति/पत्नी के स्वास्थ्य की हानि की संभावना रहती है।
(4) अष्टम स्थान में स्थित मंगल जीवन में विघ्न, बाधा, अनिष्ट, दुर्घटनायें देता है।
(5) द्वादश स्थान में स्थित मंगल व्यय एवं क्रय शक्ति को प्रभावित करता है एवं शयन सुख में बाधा डालता है।

किन्तु मिलान हेतु कुंडली में मंगल के अनेक परिहार्य होते है। जो निम्नानुसार है –

- **चन्द्र द्वारा –** चन्द्र यदि कुंडली में केन्द्र स्थानों में अर्थात् 1,4,7,10 वे भाव में हो तो मंगल दोष नष्ट हो जाता है।
- **गुरु द्वारा –** गुरु यदि कुंडली में मंगल के साथ हो और केन्द्र त्रिकोण में अर्थात् 1,4,5,7,9,10 वे भाव में हो तो मंगल दोष नष्ट हो जाता है।
- **शनि द्वारा –** शनि यदि मंगल के साथ हो या अपनी पूर्ण दृष्टि अर्थात् 3,7,10वी दृष्टि से मंगल को देख रहा हो तो मंगल दोष नष्ट हो जाता है।
- **राहु द्वारा –** राहु यदि 6 या 11 वे भाग में हो तो मंगल दोष नष्ट हो जाता है।
- **स्वयं मंगल द्वारा –** मेष, वृष, सिंह राशि का मंगल होने से मंगली दोष नही होता। मंगल की मित्र राशियों पर दृष्टि होने से मंगल दोष नहीं होता।

अत: आप पायेंगे कि इन परिहार्यो के होने से 80% से अधिक मंगली कुंडली के दोष नष्ट होते है और ये कुंडली योगकारी हो जाती है । इसलिये हो सके तो स्वयं या अल्प ज्ञान वालों से मिलान न करवाये। किसी अच्छे ज्योतिषी से मिलान करवा कर निर्णय लेवे।

कुंडली मिलान हेतु आवश्यक जानकारी –

प्राय: यह कहते सुना गया है कि पुत्र या पुत्री का विवाह 21–22 या अधिक गुण मिलाकर किया किन्तु दोनों में अनबन है या सुखी नहीं है। गुणों के अंक नक्षत्र मेलापक द्वारा निकलते हैं किन्तु दाम्पत्य एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता एवं अनुकूलता ग्रह मेलापक द्वारा ही हो सकती है। कुछ बातें जिन पर कन्या या वर की कुंडली में ध्यान देना चाहिए नीचे दर्शायी गई हैं।

(1) सप्तम भाव और सप्तमेश पर पड़ने वाला प्रभाव – ये पाप ग्रह के मध्य, पाप ग्रह युक्त, पाप ग्रह दृष्ट, नीच राशि में, अस्त एवं असंगत न हो। प्राय: मंगली योग न होते हुए भी इन कारणों से दाम्पत्य जीवन दुखमय हो जाता है।
(2) 1,4,7,8,12 वे भाव के मंगल पर सूर्य, शनि, राहु, केतु एवं तत्कालिक पाप ग्रह की पूर्ण दृष्टि न हो।
(3) अष्टम और अष्टमेश पर मंगल केतु की संयुक्त दृष्टि जीवन संकट दर्शाती है। लग्न–लग्नेश पर भी मंगल केतु का संयुक्त प्रभाव नहीं होना चाहिये।
(4) राक्षस गण के लिये मनुष्य गण कदापि नहीं होना चाहिए।
(5) वर का शुक्र एवं कन्या का गुरु पीड़ित, अशुभ, पापमध्य या अस्त न हो
(6) सूर्य, मंगल, केतु संयुक्त जिस भाव को देखे, वह स्थान अग्नि पीड़ा दर्शाता है।
(7) जल तत्व और अग्नि तत्व के बैर रहता है। मेष, सिंह, धनु, चन्द्र वाले का विवाह, कर्क, वृश्चिक एवं मीन के चन्द्र राशि से एक दूसरे से नहीं होना चाहिए।
(8) वर की कुंडली में बुध और शनि की सप्तम भाव पर संयुक्त दृष्टि नपुसंकता का संकेत देती है।
(9) मंगल (ऊर्जा) एवं शुक्र (विलास) साथ में हो तो चरित्र संबंधी जानकारी प्राप्त करें।
(10) 5,7,9 वे भाव में सूर्य और शुक्र की युति वैवाहिक सुख में न्यूनता लाती है।
(11) नाड़ी का भी ध्यान देना आवश्यक है। दोनो की एक ही नाड़ी तासीर अनुसार शारीरिक कष्ट एवं संतान संबंधी कष्ट की संभावना बताती है। (12) दोनों के पुरुष–पुरुष नक्षत्र या स्त्री–स्त्री नक्षत्र वैवाहिक सुख में न्यूनता लाते हैं।

पाठकों की सुविधा हेतु निम्न चार्ट दिया है, जिसमें ( ) चिन्ह वाले स्थानों पर लग्नानुसार मंगली दोष नहीं है।

कुंडली की लग्न ⟶		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
मंगल भाव	प्रथम भाव 1		मं.				मं	मं		मं		मं.	मं.
	चतुर्थ भाव 4						मं.			मं.			मं.
	सप्तम भाव 7			मं.			मं.						मं.
	अष्टम भाव 8				मं.				मं.				
	द्वादश भाव 12							मं.			मं.		मं.

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर मिलान करने से दाम्पत्य जीवन सुखमय एवं शांतिमय होगा।

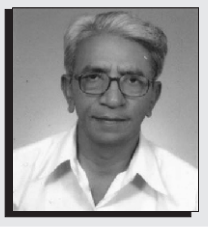

– निर्मल कुमार जैन
ज्योतिष विद्
राइट टाउन, जबलपुर
मो.: 9407349723